



## GENERAL STUDIES (Test-20)

निर्धारित समय: तीन घंटे  
Time allowed: Three Hours

GSM (M-I)-2420

अधिकतम अंक: 250  
Maximum Marks: 250

Name: Ravi Raaz

Mobile Number: \_\_\_\_\_

Medium (English/Hindi): Hindi

Reg. Number: \_\_\_\_\_

Center & Date: 525/ mukherjee  
Nagar

UPSC Roll No. (If allotted): 8007323

### प्रश्न-पत्र के लिये विशिष्ट अनुदेश

कृपया प्रश्नों का उत्तर देने से पूर्व निम्नलिखित प्रत्येक अनुदेश को ध्यानपूर्वक पढ़ें:  
इसमें बारह प्रश्न हैं तथा हिन्दी और अंग्रेजी दोनों में छपे हैं।  
सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

प्रत्येक प्रश्न के अंक उसके सामने दिये गए हैं।

प्रश्नों के उत्तर उसी माध्यम में लिखे जाने चाहियें जिसका उल्लेख आपके प्रवेश-पत्र में किया गया है, और इस माध्यम का स्पष्ट उल्लेख प्रश्न-सह-उत्तर (क्यू.सी.ए.) पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर अंकित निर्दिष्ट स्थान पर किया जाना चाहिये। उल्लिखित माध्यम के अतिरिक्त अन्य किसी माध्यम में लिखे गए उत्तर पर कोई अंक नहीं मिलेगा।

प्रश्नों में शब्द सीमा, जहाँ विनिर्दिष्ट है, का अनुसरण किया जाना चाहिये।

प्रश्न-सह-उत्तर-पुस्तिका में खाली छोड़ा हुआ पृष्ठ या उसके अंश को स्पष्ट रूप से काटा जाना चाहिये।

### QUESTION PAPER SPECIFIC INSTRUCTIONS

Please read each of the following instruction carefully before attempting questions:

There are **TWELVE** questions printed both in **HINDI** and **ENGLISH**.

All the questions are compulsory.

The number of marks carried by a question is indicated against it.

Answers must be written in the medium authorized in the Admission Certificate which must be stated clearly on the cover of this Question-cum-Answer (QCA) Booklet in the space provided. No marks will be given for answers written in a medium other than the authorized one.

Word limit in questions, wherever specified, should be adhered to.

Any page or portion of the page left blank in the Question-cum-Answer Booklet must be clearly struck off.

केवल मूल्यांकनकर्ता द्वारा भरा जाए (To be filled by Evaluator only)

Question Number	Marks	Question Number	Marks
1 (a)		5 (b)	
1 (b)		6 (a)	
2 (a)		6 (b)	
2 (b)		7.	
3 (a)		8.	
3 (b)		9.	
3 (c)		10.	
4 (a)		11.	
4 (b)		12.	
5 (a)			
Grand Total (सकल योग)			

मूल्यांकनकर्ता (हस्ताक्षर)

Evaluator (Signature)

पुनरीक्षणकर्ता (हस्ताक्षर)

Reviewer (Signature)

www.drishtiias.com

Contact: 8750187501

## Feedback

- |   |  |
|---|--|
| 1. Context Proficiency (संदर्भ दक्षता)      | 2. Introduction Proficiency (परिचय दक्षता)     |
| 3. Content Proficiency (विषय-वस्तु दक्षता)  | 4. Language/Flow (भाषा/प्रवाह)                 |
| 5. Conclusion Proficiency (निष्कर्ष दक्षता) | 6. Presentation Proficiency (प्रस्तुति दक्षता) |

## खंड - क / SECTION - A

1. (a) वैज्ञानिक एवं प्रौद्योगिकीय अनुसंधान में नीतिशास्त्र के संदर्भ क्या हैं? अपने उत्तर को उदाहरणों के साथ संपुष्ट कीजिये। (150 शब्द) 10
- What are ethics in scientific and technological research? Provide examples to support your answer. (150 Words) 10

उम्मीदवार को इस  
हार्शिये में नहीं  
लिखना चाहिए।  
(Candidate must  
not write on this  
margin)



उम्मीदवार को इस  
हाशिये में ना  
लिखना चाहिए  
(Candidate must  
not write on this  
margin)

(b)

क्या आपको लगता है कि महात्मा बुद्ध के लगभग सभी उपदेशों में संदर्भित अष्टांगिक मार्ग का सिद्धांत आज भी उनके अनुयायियों के लिये उतना ही स्पष्ट और व्यावहारिक है, जितना तब था जब उन्होंने इसे प्रथमतः प्रतिपादित किया था?  
(150 शब्द) 10  
Do you think Buddha's eightfold path which he taught in virtually all his discourses, is as clear and practical to his followers today as it was when he first gave it?  
(150 Words) 10

उम्मीदवार को इस  
हाशिये में नहीं  
लिखना चाहिए।  
(Candidate must  
not write on this  
margin)

2. (a)

जनसंपर्क (PR) में सोशल मीडिया के उपयोग ने सूचना के प्रसार और उपभोग के तरीके को रूपांतरित किया है। सोशल मीडिया के माध्यम से चलाए जा रहे जनसंपर्क अभियानों से जुड़ी नैतिक चुनौतियों का विश्लेषण कीजिये। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्मों के माध्यम से आमजन से संवाद के दौरान जनसंपर्क पेशेवर नैतिक आचरण कैसे सुनिश्चित कर सकते हैं? (150 शब्द) 10

The use of social media in public relations (PR) has transformed the way information is disseminated and consumed. Analyze the ethical challenges associated with social media PR campaigns. How can PR professionals ensure ethical conduct while engaging with audiences on social media platforms? (150 Words) 10

उम्मीदवार को इस  
हाशिये में नहीं  
लिखना चाहिए।  
(Candidate must  
not write on this  
margin)

उम्मीदवार  
हाशिये में  
लिखना न  
(Candidate  
not write  
margin)

(b)

डेटा गोपनीयता एवं इसकी सुरक्षा के संबंध में शासन, व्यक्तियों की सुरक्षा के लिये समाज का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है। इस कथन के आलोक में, गोपनीयता एवं राष्ट्रीय सुरक्षा के मध्य संतुलन बनाने में आने वाली नैतिक चुनौतियों पर चर्चा कीजिये। (150 शब्द) 10

Governance around data privacy and security is an important part of society to protect individuals. In the light of this statement, discuss the ethical challenges faced in balancing privacy and national security. (150 Words) 10

उम्मीदवार को इस  
हाशिये में नहीं  
लिखना चाहिये।  
(Candidate must  
not write on this  
margin)



3.

नीचे महान विचारकों के तीन उद्धरण दिये गए हैं। इनमें से प्रत्येक उद्धरण वर्तमान संदर्भ में आपको क्या संदेश देता है?

Given below are three quotations of great thinkers. What do each of these quotations convey to you in the present context?

- (a) देशभक्ति हमारा अंतिम आध्यात्मिक आश्रय नहीं हो सकती; मेरा आश्रय मानवता है। - रवींद्रनाथ टैगोर (150 शब्द) 10

Patriotism cannot be our final spiritual shelter; my refuge is humanity. - Rabindranath Tagore. (150 Words) 10

गुरुदेव रवींद्रनाथ टैगोर का उपरोक्त कथन उनके अंतर्राष्ट्रीयवाद के विचारों से प्रेरित होता है जो देश भक्ति को सह-अंतर राष्ट्रवाद की अपेक्षा कमतर मानते थे।

रवींद्रनाथ टैगोर के उपरोक्त व्याख्यान का निहितार्थ —

- टैगोर एक नव वेदांती थे और ईसावादी ईशावास्यमिदं सर्वं के विचारों के दायर में इसी श्रुति-आप्त के स्वयं पर सम्पूर्ण मानव जाति के प्रति समर्पित थे।
- टैगोर के अनुसार सच्च मानव का हित राष्ट्रहित ही अधिक महत्वपूर्ण होता है।
- टैगोर इसी आधार पर मानवीय मूल्यों

1. के प्रति अधिक समर्पित हैं।

ऐंगोर के उपरोक्त कथन के स्मरण कुछ अन्य विचारों के विचार -

→ ① 'लाहरी' श्री तब तक अपने राष्ट्र का समर्पण नहीं की बात कहे थे जब तक वह मानवता के विरुद्ध न जा रहा हो।

→ ② कुछ शीर्षों में राज्य के वैश्विकरण तथा संस्कृति बहुलतावाद में भी इसके ग्राम देखने को मिलते हैं यथा -

→ (i) 2022 के फीफा वर्ल्डकप में खेलने वाले 125 खिलाड़ी ऐसे थे जो अपने देश के लिये पर किसी अन्य देश के लिए खेल रहे थे।

→ (ii) विश्व भर में अजिंक्य व अजिंक्य इसी कारण पा चले हुए अपनी प्रतिबद्धता किसी अन्य देश के प्रति प्रतिबद्धता बताते हैं।  
(जैकलिन फ्रान्सिस शूल रूप से श्रीलंकाई केन्द्र भारत के प्रति कदम।)

हॉलानि कुछ मामलों में देशभक्ति पहली प्राथमिकता होनी चाहिए यथा सेना की नागरिक हित। किंतु अधिकतर मामलों में मानवता ही शूल व व्यवहार के केन्द्र में होना चाहिए (यथा महात्मा गांधी के विचार)।

(b) थोड़ा-सा अभ्यास टन भर उपदेश से अधिक मूल्यवान है। - महात्मा गांधी (150 शब्द) 10  
An ounce of practice is worth more than tons of preaching. - Mahatma Gandhi. (150 Words) 10

महात्मा गांधी का उपरोक्त विचार व्यक्ति के सफलता हेतु उपदेशात्मक व संज्ञानात्मक पक्ष के स्थापन पर व्यवहारत्मक पक्ष के महत्व को अधिक महत्वपूर्ण मानता है।

निहित संदेश

- ① व्यक्ति के जीवन पर अंतर्मुख रूप से उसके अभ्यास व व्यवहार का ही प्रभाव पड़ता है।
- ② जैवों में अभ्यास का महत्व सैद्धांतिक पक्ष से अधिक महत्वपूर्ण होता है।
- ③ नियमित प्रशिक्षण व अभ्यास स्वयं का कार्यजग इसकी पुष्टि करता है।
- ④ जीवन में अभ्यास का महत्व परीक्षाओं में सफलता हेतु दिए जाने वाले 'टेस्ट' से भी समझा जा सकता है। यथा - परीक्षा से पहले नियमित टेस्ट अभ्यास करना।
- ⑤ बृहदारण्यक की कहानी इसी की तात्पर्य प्रकट करता है।



“ करत करत अभ्यास जड़मति सेत सुमान  
रसरि आवत आत से सिल पर पड़त निशान ”।

यद्यपि कई मामलों में उपदेशात्मक वक्त  
भी महत्वपूर्ण होता है यथा -

- (i) अभ्यास हेतु उपयुक्त मनोवृत्ति विकसित  
करता है।
- (ii) इससे अभ्यास वक्त में बेहतरी व उत्कृष्टता  
आती है।
- (iii) किसी भी अभ्यास क्षेत्र के पहले ऑरियेंट  
ऐशन का आयोजन इसी अवधारणा से  
प्रेरित होता है।

महात्मा गांधी का उपरोक्त कुछ  
व्यक्ति में निष्क्रियता के स्थान पर सक्रियता  
तथा व्यक्त के स्थान पर तत्पत्ता का  
संदेश देता है।

(c) जब भी आप कोई काम करें, तो ऐसे व्यवहार करें जैसे पूरी दुनिया आपको देख रही हो। - थॉमस जेफरसन

(150 शब्द) 10

Whenever you do a thing, act as if all the world were watching. - Thomas Jefferson (150 Words) 10

थॉमस जेफरसन का उपरोक्त कुछ  
व्यक्ति के कार्यों में उत्कृष्टता सुनिश्चित करने के  
लिए तथा व्यक्ति में आत्म अनुशासन का  
मूल्य विरसित करने के लिए उपयोगी वृत्त  
प्रतीत होता है। कुछ

कुछ संबंधित तथ्य

- (i) जब हम इससे पारदर्शिता की संस्कृति  
को प्रोत्साहन मिलता है।
- (ii) इससे व्यक्ति के मरिचक में लोगों  
के विश्लेषण का भाव विद्यमान होता  
है जिससे व्यक्ति अपने नियत में  
सत्यनिष्ठ और कार्य में उत्कृष्ट होने  
का प्रयास करता है।
- (iii) इससे गोपनीयता की संस्कृति निवृत्ताहित  
होती है जिससे भ्रष्ट आचरण और अनुशासन  
होना की स्थिति में भी रुकी जाती है।

उम्मीदवार को इस  
हाशिये में नहीं  
लिखना चाहिये।  
(Candidate must  
not write on this  
margin)



### विशेषी विचार

→ कुछ विचारकों के अनुसार हमें कोई भी कार्य इस तरह से करना चाहिए कि जब हम अपने दाएं से करे तो बाएं हाथ को भी इसी जानकारी न हो।

→ इस विचारधारा को मानने वाले लोगों के अनुसार सबसे आत्मगुह्यतम और सिविल सेवकों के लिए आवश्यक ज्ञानानुसंगिक सिद्धांत को प्रोत्साहन मिलता है।

→ भारत को सिविल सेवा इसी विचारों पर आधारित जानी जाती है।

इस हम में महात्मा बुद्ध की मध्यमार्ग अपना बेहतर हो सकता है जहाँ कुछ स्थानों पर हमें थोड़ा जेफरसन के उपेक्षित व्यक्ति का पालन करना चाहिए (विशेष लोअर क्वार्टर की जातिवृद्धि हेतु वही उच्च स्थानों पर जापनीयता व ज्ञानानुसंगिक सिद्धांतों का पालन करना चाहिए।

4. (a)

भावनात्मक बुद्धिमत्ता (EI) को परिभाषित कीजिये। इसके प्रमुख घटकों पर चर्चा कीजिये। स्पष्ट कीजिये कि प्रत्येक घटक लोक प्रशासन में प्रभावी नेतृत्व में किस प्रकार योगदान देता है। (150 शब्द) 10

Define Emotional Intelligence (EI). Discuss its major components. Explain how each component contributes to effective leadership in public administration. (150 Words) 10

उम्मीदवार को इस  
हाथिये में नहीं  
लिखना चाहिये।  
(Candidate must  
not write on this  
margin)

- (b) नागरिक अधिकार पत्र तथा सहभागी शासन की अवधारणा के बीच संबंधों का परीक्षण कीजिये। (150 शब्द) 10
- Examine the relationship between Citizen Charters and the concept of participatory governance. (150 Words) 10

उम्मीदवार को इस  
हार्डिये में नहीं  
लिखना चाहिये।  
(Candidate must  
not write on this  
margin)

- (b) परिवार में अभिभावक अपने बच्चों के नैतिक विकास में मुख्य शिक्षक के रूप में महत्वपूर्ण भूमिका का निर्वाह कैसे करते हैं?  
(150 शब्द) 10
- How do parents play an important role as the main educator in the family in moral development of their children?  
(150 Words) 10

उम्मीदवार को इस  
हार्निसे में नहीं  
लिखना चाहिए।  
(Candidate must  
not write on this  
margin)



6. (a)

“लोक प्रशासन में नीतिशास्त्र का तात्पर्य केवल नियमों का पालन करना नहीं है, बल्कि सही विकल्प का चयन करना भी है।” स्पष्ट कीजिये। (150 शब्द) 10

“Ethics in public administration is not just about following rules, but also about making the right choices.” Explain. (150 Words) 10

उम्मीदवार को इस  
हाशिये में नहीं  
लिखना चाहिये।  
(Candidate must  
not write on this  
margin)

(b)

अच्छी शिक्षा कल्पनातीत है यदि वह उत्तम जीवन और सामाजिक कल्याण के लिये आवश्यक मूल्यों को विकसित करने में विफल रहती है। टिप्पणी कीजिये।

Good education is inconceivable if it fails to inculcate values essential to good life and social well-being. Comment.

(150 शब्द) 10

(150 Words) 10

उम्मीदवार को इस  
हार्शिये में नहीं  
लिखना चाहिये।

(Candidate must  
not write on this  
margin)

खंड - ख / SECTION - B

7.

श्री अर्जुन एक प्रतिष्ठित व्यवसायी हैं और अपने समुदाय में एक प्रमुख व्यक्ति हैं। अपने परोपकार और व्यावसायिक कौशल के लिये जाने जाने वाले, उन्होंने विभिन्न सामाजिक कारणों के लिये उदार व सहायक होने के लिये प्रतिष्ठा बनाई है। उनके बेटे, रवि, जो 25 वर्षीय महत्वाकांक्षी संगीतकार हैं, को हाल ही में अंतिम चरण की यकृत संबंधी बीमारी का पता चला है। रवि की कम उम्र और उसकी हालत की गंभीर प्रकृति को देखते हुए, यह निदान परिवार के लिये एक गहरा आघात है।

मेडिकल टीम ने श्री अर्जुन को सूचित किया है कि रवि को जीवित रहने के लिये तत्काल यकृत प्रत्यारोपण की आवश्यकता है। यद्यपि, अंगदान की प्रतीक्षा सूची लंबी है और समय पर यकृत मिलने की संभावना बहुत कम है। प्रत्यारोपण के बिना बीतने वाला प्रत्येक दिन रवि के बचने की संभावना को कम करता है, जिससे श्री अर्जुन और उनके परिवार की चिंता व हताशा बढ़ती जा रही है।

जिस अस्पताल में रवि का उपचार चल रहा है, उसके चिकित्सा निदेशक डॉ. मेहता अधिकरण समिति में हैं और श्री अर्जुन के पुराने मित्र हैं। उनकी दोस्ती उनके कॉलेज के दिनों से है और विगत कई वर्षों से वे एक-दूसरे की सहायता करते आए हैं। कई वर्ष पूर्व, डॉ. मेहता के जीवन के एक मुश्किल दौर में, श्री अर्जुन ने उन्हें वित्तीय सहायता और व्यक्तिगत परामर्श देकर महत्वपूर्ण सहायता की थी। डॉ. मेहता हमेशा श्री अर्जुन को दयालुता और समर्थन के लिये उनके आभारी रहे हैं।

उनके घनिष्ठ संबंधों को देखते हुए, श्री अर्जुन को डॉ. मेहता से रवि के मामले को तेजी से निपटाने और प्रतीक्षा सूची में अन्य रोगियों की तुलना में उसे प्राथमिकता देने के लिये कहने का प्रबल प्रलोभन अनुभव होता है। अपने बेटे की स्थिति की तात्कालिकता और उसके द्वारा अनुभव की जा रही भावनात्मक बैचैनी के कारण श्री अर्जुन के लिये इस तरह के अनुरोध के व्यापक नीतिशास्त्रीय निहितार्थों पर विचार करना मुश्किल हो जाता है।

उपरोक्त केस स्टडी के आधार पर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिये

- इस स्थिति में डॉ. मेहता को कौन-से नीतिशास्त्रीय सिद्धांतों के आधार पर निर्णय लेना चाहिये?
- डॉ. मेहता को सभी मरीजों के लिये उचित उपचार सुनिश्चित करते हुए श्री अर्जुन के व्यक्तिगत दबाव को कैसे संभालना चाहिये?
- अंग आवंटन प्रक्रिया में हितों के संघर्ष को रोकने के लिये क्या उपाय कार्यान्वित किये जा सकते हैं?

(250 शब्द) 20

Mr. Arjun is a well-respected businessman and a prominent figure in his community. Known for his philanthropy and business acumen, he has built a reputation for being generous and supportive of various social causes. His son, Ravi, a 25-year-old aspiring musician, has recently been diagnosed with end-stage liver disease. The diagnosis has come as a severe blow to the family, given Ravi's young age and the critical nature of his condition.

The medical team has informed Mr. Arjun that Ravi requires an immediate liver transplant to survive. The organ donation waiting list, however, is long, and the chances of receiving a liver in time are slim. Each day that passes without a transplant decreases Ravi's chances of survival, adding to the anxiety and desperation felt by Mr. Arjun and his family. Dr. Mehta, Medical Director of the Hospital where Ravi is being treated, is on the authorization committee and an old friend of Mr. Arjun. Their friendship dates back to their college days, and over the years, they have supported each other through various personal and professional challenges. Years ago, during a particularly difficult time in Dr. Mehta's life, Mr. Arjun extended significant help, providing financial

उम्मीदवार को इस  
हाशिये में नहीं  
लिखना चाहिये।  
(Candidate must  
not write on this  
margin)



support and personal counsel. Dr. Mehta has always felt indebted to Mr. Arjun for his kindness and support.

Given their close relationship, Mr. Arjun feels a strong temptation to ask Dr. Mehta to fast-track Ravi's case and prioritize him over other patients on the waiting list. The urgency of his son's condition and the emotional turmoil he is experiencing make it difficult for Mr. Arjun to consider the broader ethical implications of such a request.

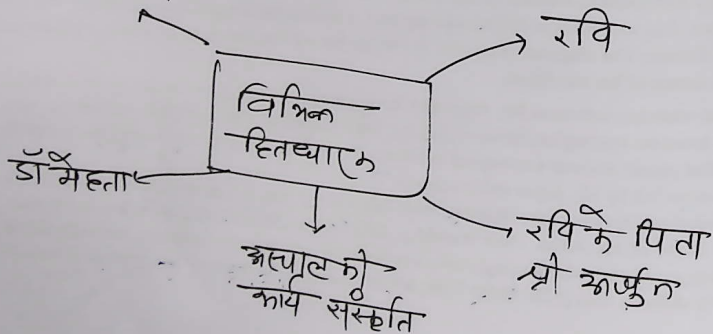
Answer the following questions based on the above case study

- What ethical principles should guide Dr. Mehta's decision in this situation?
- How should Dr. Mehta handle the personal pressure from Mr. Arjun while ensuring fair treatment for all patients?
- What measures can be implemented to prevent conflicts of interest in the organ allocation process?

(250 Words) 20

अराव होती जीवन शैली अनुचित खान-पान और शारीरिक निष्क्रियता आज कई अंगों के विफलता (organ failure) की चट्टान में शरीर का प्रमुख कारण है इसके समाधान हेतु अंग प्रत्यारोपण बहुत ही एक मात्र उपाय प्रतीत होता है उपरोक्त केस स्टडी में एक ऐसी चट्टान का उल्लेख किया गया है।

अन्य मरीज



अंक के विभिन्न आयाम -

- ① रवि के अंक का खराब होना।
- ② तत्काल अंग प्रत्यारोपण की जरूरत।
- ③ अंग प्रत्यारोपण की लंबी प्रतीक्षा पूरी।
- ④ डॉ. मेहता के सामने नैतिक दुविधा का विद्यमान होना।

⑤ डॉ. मेहता द्वारा निर्णय हेतु उपयोगी नीतिशास्त्रीय सिद्धांत -

- ① डॉ. मेहता को भीषण सैपेसवादी इच्छा का पनाना चाहिए।
- ② यदि रवि का अंग प्रत्यारोपण पहले करना आवश्यक हो और अन्य किली मरीज के जीवन पर कोई खराब न डाला जाता हो तो रवि को प्राथमिकता दी जा सकती है।
- ③ इस मामले में व्युत्पन्नता, सत्यनिष्ठा, निष्पक्षता, कठोरता और आवृत्तात्मक बुद्धिमत्ता नैतिक मूल्य विशेष रूप से

उम्मीदवार को इस  
हार्डिये में नहीं  
लिखना चाहिए।  
(Candidate must  
not write on this  
margin)



प्रासंगिक होंगे।

→ ⑥ श्री अर्जुन के दबाव को संभालने हेतु डॉ. मेहता को अग्र रणनीति अपनानी चाहिए -

→ ⑦ इस संबंध में सबसे पहले रवि की स्थिति, प्रतीक्षा सूची और अन्य मरीजों की स्थिति का वस्तुनिष्ठ आंकलन कर कोई भी विचार बनाना चाहिए।

→ ⑧ श्री अर्जुन को मांग पूरा करना संभव न हो तो डॉ. मेहता को श्री अर्जुन से सीधा संवाद करना चाहिए और उन्हें अपनी मजबूरियों तथा नक्यों से अवगत कराना चाहिए।

→ ⑨ यदि संवाद हो तो डॉ. मेहता अपने स्तर पर श्री अर्जुन को कोई अन्य विकल्प से अवगत करवा सकते हैं।

→ ⑩ इस तम में अंग प्रत्यारोपण के लिए किसी अन्य अस्पताल में स्थलांतर की जा सकती है।

→ ⑪ इसके प्रतिरूप श्री अर्जुन तथा डॉ. मेहता को भी रवि को अपने शरीर का एक हिस्सा देने के लिए प्रोत्साहित किया जा सकता है क्योंकि शरीर में Regeneration का गुण पाया जाता है।

→ ⑫ द्रिष्टि के संघर्ष को रोकने के लिए अपनाए जाने योग्य उपाय -

→ यदि किसी परिचित के अंग प्रत्यारोपण का विषय हो तो किसी अन्य के साथ अन्वय न हो इसके लिए प्राथमिकी को स्वयं ही प्रक्रिया से अलग कर लेना चाहिए।

→ किसी हित के स्थान पर लोकहित को प्राथमिकता देनी चाहिए।

→ संगठन हेतु जागरूकता कार्यक्रम संचालित किया जाना चाहिए।

सम्भावित स्थितियों के तकरार से निपटने में सहायक होगा।

उम्मीदवार को इस  
हार्डिको में नहीं  
लिखना चाहिए।  
(Candidate must  
not write on this  
margin)



8. आप एक ऐसे जिले के जिला मजिस्ट्रेट (DM) हैं जो अपने धार्मिक और सांस्कृतिक महत्त्व के लिये जाना जाता है। समुदाय के भीतर गहराई से संबंधित एक प्रमुख धार्मिक संगठन, एक बड़े पैमाने पर धार्मिक आयोजन की योजना बनाता है। यद्यपि, संगठन को वित्तीय बाधाओं का सामना करना पड़ता है और इतनी बड़ी सभा के लिये आवश्यक सुरक्षा उपायों की पूर्ण तैनाती सुनिश्चित करने के लिये आवश्यक धन की कमी होती है। आप संभावित जोखिमों से अवगत हैं, विशेष रूप से ऐसे सघन भीड़ वाले आयोजनों में भगदड़ की संभावना। आपकी आपत्तियों के बावजूद, आपको आयोजन की अनुमति देने के लिये भारी सामाजिक और राजनीतिक दबाव का सामना करना पड़ता है। स्थानीय राजनेता, जो धार्मिक गुरुओं और उनके संगठनों को महत्वपूर्ण वोट बैंक के रूप में देखते हैं, प्रभाव डालते हैं, आपसे कठोर शर्तों के बिना आयोजन को मंजूरी देने का आग्रह करते हैं। दबाव में आकर, आप कुछ शर्तों के साथ अनुमति दे देते हैं। आयोजन के दिन, भगदड़ होती है, जिसके परिणामस्वरूप 100 लोगों की दुखद मृत्यु हो जाती है।

इस त्रासदी से समुदाय सदमे और शोक में है एवं मीडिया और जनता का ध्यान तुरंत इस बात पर जाता है कि इसके लिये कौन जिम्मेदार है। जिला मजिस्ट्रेट के रूप में, आप विवाद के केंद्र में हैं। उत्तरदायित्व का प्रश्न भी बढ़ा है तथा धार्मिक संगठन और स्थानीय प्रशासन दोनों ही जाँच के दायरे में आते हैं।

इसके बाद, भगदड़ के कारणों की जाँच करने और यह निर्धारित करने के लिये एक आधिकारिक जाँच शुरू की जाती है कि क्या लापरवाही की इसमें कोई भूमिका थी। जाँच से पता चलता है कि धार्मिक संगठन, अपनी वित्तीय बाधाओं के बावजूद, भीड़ को नियंत्रित करने के बुनियादी उपायों को भी कार्यान्वित करने में विफल रहा। यद्यपि, जाँच इस तथ्य की ओर भी इशारा करती है कि आपके कार्यालय द्वारा दी गई अनुमति में आवश्यक शर्तों और निरीक्षण का अभाव था, जो आपदा का कारण बना।

- (a) इस मामले में शामिल हितधारकों का उल्लेख कीजिये।  
(b) इसमें नीतिशास्त्रीय चुनौतियाँ क्या हैं?  
(c) भारत में भगदड़ की घटनाएँ आम क्यों हैं और इनमें से कई धार्मिक समारोहों में क्यों हुई हैं? आप इसे रोकने के लिये सबसे पहले क्या उपाय करेंगे? (250 शब्द) 20

You are the District Magistrate (DM) of a district known for its religious and cultural significance. A prominent religious organization, deeply embedded within the community, plans a large-scale religious event. The organization, however, faces financial constraints and lacks the necessary funds to ensure the full deployment of safety measures required for such a large gathering. You are aware of the potential risks, especially the possibility of a stampede in such densely packed events. Despite your reservations, you face immense societal and political pressure to grant permission for the event. Local politicians, who see the religious gurus and their organizations as significant vote banks, exert significant influence, urging you to approve the event without stringent conditions. Yielding to pressure, you give permission, albeit with reservations. On the day of the event, a stampede occurs, resulting in the tragic loss of 100 lives.

The tragedy leaves the community in shock and mourning, and the media and public quickly turn their attention to finding who is responsible. As the District Magistrate, you are at the center of the controversy. The question of accountability looms large, and both the religious organization and the local administration come under scrutiny. In the aftermath, an official inquiry is launched to investigate the causes of the stampede and determine whether negligence played a role. The inquiry reveals that the religious organization, despite its financial constraints, failed to implement even basic crowd control measures. However, the inquiry also points to the fact that the permission granted by your office lacked the necessary conditions and oversight, contributing to the disaster.

- (a) Mention the stakeholders involved in this case.  
(b) What are the ethical challenges involved here?  
(c) Why are Crowd crushes common in India and many of them have occurred at religious gatherings? What measures would you take to avoid it in the first place? (250 Words) 20

भारत में धार्मिक समारोह का आयोजन और समुचित प्रबंधन के अभाव में उसमें होने वाली भगदड़ एक आम घटना है। इसी वर्ष के जुलाई माह में हयस में होने वाली भगदड़ एक ऐसी ही घटना थी जिसमें करीब 125 लोगों की जान गई इस केस स्टडी में ऐसी एक घटना का चित्रण किया गया है।

इस स्थिति से निपटने के लिए निम्नलिखित मूल्य -

1. भावनात्मक बुद्धिमत्ता
2. सत्यनिष्ठा
3. तटस्थता
4. सहिष्णुता
5. प्रबंधन कौशल
6. धर्मनिरपेक्षता
7. आम जीवन के प्रति प्रतिबद्धता
8. राजनीतिक असंवादिता



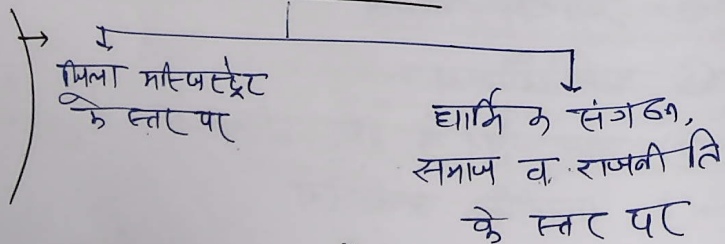
समस्या के विभिन्न पक्ष -

- ① अनुमति देने की व्यवस्था।
- ② भगदड़
- ③ 100 से अधिक लोगों की मौत
- ④ पत आगोश
- ⑤ सूख पिलायिस्ट्री के सत्यनिष्ठा पर चेंदट।
- ⑥ बिच का आभाव

⑦ विभिन्न दित्याक

- अनुमति देने वाले अधिकारी और लोक व्यवस्था हेतु अंतिम रूप से निर्मेदा के रूप में DM
- धार्मिक आयोजन करने वाला धार्मिक संगठन
- प्रभावित आम जनता
- सततकारी व राजनीतिक विपरीत।
- मोडिया

⑧ प्रमुख नीतिशास्त्रीय चुनौतियाँ



① विभिन्न गैरपट्टे के स्तर पर → नियमों का अनुपालन

किया जाए यह फिर सामाजिक हानि ती तिकु दबाव में फँसना किया जाए।

② एक की के धार्मिक स्वतंत्रता को महत्व दिया जाए या लोक व्यवस्था व जीवन को स्वतंत्रता को महत्व दिया जाए।

③ अधिकारिता जाँच प्रक्रिया में जाँचकर्ताओं को कस्टडियन की जानकारी दी जाए या स्वयं की रक्षा का प्रयास किया जाए।

- विनीत लेखकों के बावजूद धार्मिक आयोजन
- सुरक्षा प्रबंधन में असफलता
- जिला अधिकारी पर यौन दबाव बनाकर धार्मिक आयोजन हेतु अनुमति प्राप्त करना।
- आम जन के जीवन के साथ धिक्कना।

④ भारत में भगदड़ की वजह से आम जन के कारण -

- ① धार्मिक आयोजनों के प्रति उत्साह।

उम्मीदवार को इस  
हार्शिय में नहीं  
लिखना चाहिये।  
(Candidate must  
not write on this  
margin)



- ② नियमों की अनदेखी।
- ③ प्रशासनिक लापरवाही
- ④ बीड़ के संबंध में उपयुक्त युवाविमान लगाने के विफलता।
- ⑤ चार्जिड समारोह में भागदंड की अनवश्यकता के कारण।

- ① चार्जिड अति अस्वाह
- ② अल्पविश्वास (यथा - चण्डाल की प्राप्ति)
- ③ गरीबी फलतः वैज्ञानिक चेतना के अभाव के कारण कर्मकांड के प्रति आकर्षण।

शेखराम हेतु उपाय -

- अनुचित नियमों के अखीन रहित हुए ही चार्जिड आयोजन डेलों की अनुमति हुंग।
- नियमों के उल्लंघन या स्वीकृत संख्या से अधिक बीड़ आने या आयोजन से बाद कहेगा।
- नियमों का पालन होने पर चार्जिड आयोजन की अनुमति वापस ले लेंग।
- उपरोक्त उपाय भागदंड की घटना के दोषधार में उपयोगी हो सकते हैं।

9.

श्रद्धा को हाल ही में एक धर्मार्थ अस्पताल का चिकित्सा अधीक्षक नियुक्त किया गया है जो स्थानीय और आस-पास के क्षेत्रों के गरीब एवं वंचित लोगों के लिये एक महत्वपूर्ण स्वास्थ्य सेवा सुविधा के रूप में कार्य करता है। अस्पताल के पास समुचित रूप से वित्त पोषण और पर्याप्त रूप से संसाधन होने के बावजूद, इसकी धर्मार्थ प्रकृति का अर्थ है कि कर्मचारियों का वेतन अपेक्षाकृत कम होना। इस वित्तीय बाधा ने एक चिंताजनक व्यवहार को उत्पन्न दिया है: कुछ कर्मचारियों ने शीघ्र या बेहतर सेवाओं के बदले में अमीर मरीजों से रिश्वत लेने की आदत विकसित कर ली है। यद्यपि इस अनैतिक व्यवहार के विषय में शिकायतें पहले भी सामने आई हैं, लेकिन अस्पताल के प्रबंधन ने आमतौर पर इस पर आँखें मूंद ली हैं और समस्या का सामना करने के बजाय इसे अनदेखा किया है।

- (a) श्रद्धा के समक्ष उपस्थित नीतिशास्त्रीय दुविधा और उसके लिये उपलब्ध कार्यवाही के तरीके पर चर्चा कीजिये? साथ ही, उसके द्वारा उठाए गए कदम के पक्ष और विपक्ष पर भी चर्चा कीजिये। (250 शब्द) 20
- (b) अगर आप श्रद्धा के स्थान पर होते/होती तो क्या करते/करती?

Shradha has recently been appointed as the Medical Superintendent of a charitable hospital that serves as a crucial healthcare facility for the poor and underprivileged populations both locally and from surrounding areas. Despite the hospital being well-funded and adequately resourced, its charitable nature means that staff salaries are relatively low. This financial constraint has led to a concerning practice: some staff members have developed a habit of accepting bribes from wealthier patients in exchange for expedited or enhanced services. Although complaints about this unethical behavior have surfaced in the past, the hospital's management has generally turned a blind eye, choosing to ignore the problem rather than confront it.

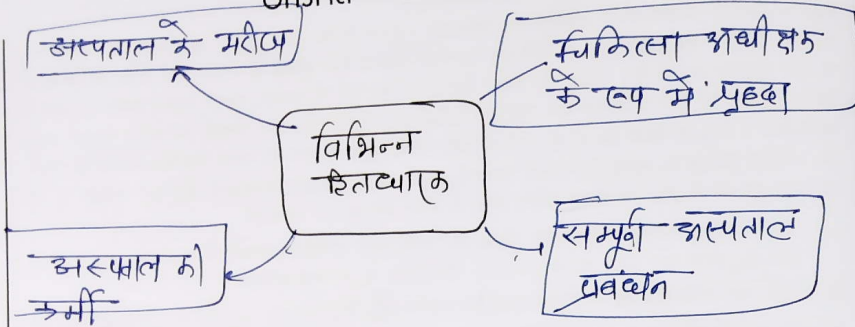
- (a) Discuss the ethical dilemma confronting Shradha and the course of action available to her? Also, discuss pros and cons of her action (250 Words) 20
- (b) What would you do if you were in Shradha's position?

उपरोक्त केस स्टडी धर्मार्थ संचालित अस्पतालों में प्रबंधन व सामाजिक चिकित्सकियों के स्तर पर मौजूद कुछ खराब की तस्वीर पेश करता है।

उपेक्षित मूल्य

- वैज्ञानिकी प्रति प्रतिबद्धता
- सेवा भाव
- सत्यनिष्ठा
- अपने कर्मियों को उपयुक्त चारित्रिक देना।





उम्मीदवार को इस  
हाशिये में नहीं  
लिखना चाहिए।  
(Candidate must  
not write on this  
margin)

समस्या का विश्लेषण →

- ① अस्पताल के कर्मियों को कम वेतन देना।
- ② कर्मचारियों द्वारा अमीर मरीजों से रिश्ता लेना।
- ③ अस्पताल प्रबंधन के द्वारा अस्पताल के कर्मचारियों के रिश्ता की अपेक्षा।
- ④ चिकित्सा/पेशेवर नीतिशास्त्र का उल्लंघन।

प्रश्न के समक्ष नीति शास्त्रीय दृष्टि

अस्पताल प्रबंधन के हित में उचित वेतन न दिया जाए या फिर कर्मचारियों के हित में उनके कार्य के मूल्य उपयुक्त वेतन दिया जाए।

- ② कर्मचारियों की मजबूरी को संभालते हुए उनके श्रम-क्षमता की समस्या की अपेक्षा की जाए या फिर अस्पताल की कार्य-संस्कृति को बेहतर बनाने के

लिए कर्मचारियों के विरुद्ध रिश्तापैरी के लिए कठोर कार्यवाही की जाए।

प्रश्न के समक्ष उपलब्ध विकल्प

विकल्प - 1 - यच्चाचित्वाद का अनुसरण करते हुए कर्मचारियों के कम वेतन व श्रम-क्षमता की अपेक्षा के

↓  
उप  
↓  
वैष

- इससे प्रश्न के समक्ष कोई-चुनौती उत्पन्न नहीं होगी।
- अस्पताल प्रबंधन की संतुष्ट रहेगा।
- कम वेतन के बावजूद श्रमिक संतुष्ट रहेंगे।

- अस्पताल की कार्य-संस्कृति दुष्प्रभावित होगी।
- श्रम-क्षमता की अपेक्षा में नैतिकता कम आएगी।
- मरीजों के शोषण का खतरा मिलेगा।

विकल्प - 2 - प्रश्न कर्मचारियों के श्रम-क्षमता के विरुद्ध कठोर कार्यवाही के -

↓  
उप  
↓  
वैष

- इससे अस्पताल की कार्य-संस्कृति बेहतर होगी।

- कर्मचारियों के शोषण पर संतुष्ट नहीं लगेगा।

उम्मीदवार को इस  
हाशिये में नहीं  
लिखना चाहिए।  
(Candidate must  
not write on this  
margin)

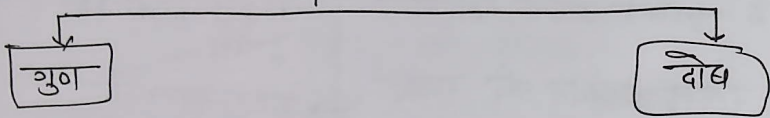


→ अध्याचार पर कठुश लग करेगा  
→ मरीजों का जीवन रुक लेगा

→ अस्पताल का सुचारु  
काम कार्य भी  
बाधित हो सकता है।

→ मरुदा को प्रबंधन व  
कर्मचारियों के विरोध  
का सामना करना पड़  
सकता है।

**विकल्प-3** → मरुदा मार्ग अपनाते हुए ~~किन्तु~~ कर्म  
चारियों के वेतन में वृद्धि तथा अध्याचार पर  
कठुश लगाने का प्रयास करें -



→ इससे कर्मचारियों के अल्ट  
आचरण के अल काल का  
प्रभाव हो सकेगा।

→ फलतः रिकतबोरी की  
समस्या से निपटने में  
मदद मिलेगी

→ वेतन वृद्धि के काल कर्म  
चारियों का जीवन स्तर बढ़ता  
होगा

→ अस्पताल की कार्य संस्कृति में  
सुधार होगा।

उत्पन्न होता है ऐसे में  
वेतन में वृद्धि रिकत  
की समस्या से निपटने  
का महत्व आत्म हो  
सकता है किन्तु इसका  
पर्याप्त नहीं।

मेरे द्वारा अपनाए जाने वाले उपाय/उपम

→ मैं प्रथमतः कर्मचारियों के कर वेतन और  
रिक्तबोरी का मामला अस्पताल प्रबंधन के  
समक्ष डवता।

→ न्यूनतम वेतन अधिविधियों के अरुप कर्मचारियों के  
वेतन मान का निर्धारण करें कि प्रबंधन  
पर नैतिक दबाव डलता।

→ कर्मचारियों के रिक्तबोरी को रोकने के  
लिए उपयुक्त कदम डवता इस छम में  
पारिस्थितियों तथा मूल के स्तर पर  
परिवर्तन के साथ प्रायोगिकीय उपयोग तथा  
मरीजों में जागरूकता और प्रक्रियागत ललता  
पर भी ध्यान देता।

अन्य उपायों को करने से  
निर्णय पारिस्थितिक के साथ हो सुचितता की  
वि सुनिश्चित किया जा सकता है।

10.

आर्यन विश्वविद्यालय के छात्र श्रेयस शर्मा को अपने निवास कक्ष में "जाति विशेषाधिकार की समझ" शीर्षक वाला बुलेटिन बोर्ड दिखाई देता है। वह इसे प्रचार मानता है और मानता है कि यह उच्च जाति के छात्रों के साथ भेदभाव करता है। जवाब में, श्रेयस ने फेसबुक पर एक निंदा पोस्ट की, जिसमें प्रमुख रूढ़िवादी हस्तियों अमित वर्मा और राजन पटेल को टैग किया ताकि परिसर में अत्यधिक उदारवाद की ओर ध्यान आकर्षित किया जा सके। यह पोस्ट तुरंत वायरल हो गई, जिसका समर्थन और विरोध दोनों हुआ।

प्रिया नामक एक छात्र पत्रकार श्रेयस का साक्षात्कार लेती है ताकि बुलेटिन बोर्ड की आलोचना करने के उसके उद्देश्यों को समझा जा सके। श्रेयस, जिसने इस तरह की प्रतिक्रिया की उम्मीद नहीं की थी और अब अपने पोस्ट पर पछतावा करता है, प्रिया से लेख में अपना नाम गोपनीय रखने के लिये कहता है। प्रिया के सामने एक नैतिक दुविधा है: श्रेयस के नाम न बताने के अनुरोध का सम्मान करना या उसके सार्वजनिक बयानों के लिये उसे उत्तरदायी ठहराना।

- विवाद को संबोधित करने में विश्वविद्यालय प्रशासन की नीतिशास्त्रीय जिम्मेदारी का मूल्यांकन कीजिये। मुक्त भाषण और समावेशिता के बीच संतुलन बनाने के लिये वे क्या उपाय कर सकते हैं?
- श्रेयस द्वारा सामना किये गए विरोध के संदर्भ में न्याय की अवधारणा पर विचार कीजिये। विश्वविद्यालय यह कैसे सुनिश्चित कर सकता है कि इसमें शामिल सभी पक्षों के साथ उचित व्यवहार हो और उन्हें समुचित रूप से उत्तरदायी ठहराया जा सके?
- जिन आलोचनाओं को श्रेयस झेल रहा है उससे प्रिया अवगत हैं। साक्षात्कारकर्ता के प्रति समानुभूति और पत्रकारिता की निष्पक्षता बनाए रखने के बीच नीतिशास्त्रीय संतुलन पर चर्चा कीजिये। (250 शब्द) 20

Shreyas Sharma, a student at Aryan University, comes across the bulletin board titled "Understanding Caste Privilege" in his residence hall. He perceives it as propaganda and believes it discriminates against upper-caste students. In response, Shreyas posts a denouncement on Facebook, tagging prominent conservative figures Amit Verma and Rajan Patel to draw attention to what he sees as excessive liberalism on campus. The post quickly goes viral, attracting both support and significant backlash.

Priya, a student journalist, interviews Shreyas to understand his motives for criticizing the bulletin board. Shreyas, who did not anticipate the extent of the backlash and now regrets his post, asks Priya to keep his name confidential in the article. Priya faces an ethical dilemma: respecting Shreyas's request for anonymity or holding him accountable for his public statements.

- Evaluate the ethical responsibility of the university administration in addressing the controversy. What measures could they take to balance free speech and inclusivity?
- Reflect on the concept of justice in the context of the backlash faced by Shreyas. How can the university ensure that all parties involved receive fair treatment and are held accountable appropriately?
- Priya is aware of the backlash Shreyas has faced. Discuss the ethical balance between empathy for the interviewee and maintaining journalistic objectivity. (250 Words) 20



उम्मीदवार को इस  
हार्शिये में नहीं  
लिखना चाहिए।  
(Candidate must  
not write on this  
margin)

उम्मीदवार को इस  
हार्शिये में नहीं  
लिखना चाहिए।  
(Candidate must  
not write on this  
margin)



भारत में एक बड़ी बहुराष्ट्रीय आईटी कंपनी में अनुभवी विक्रय प्रतिनिधि राहुल ने कंपनी के भीतर, विशेषतः और आप अपने सहकर्मी अर्जुन के साथ गहरी मित्रता विकसित की थी। पिछले कुछ महीनों में, अर्जुन ने राहुल को अपनी पत्नी बच्चों और बूढ़े माता-पिता का भरण-पोषण करने सहित अपने गंभीर वित्तीय संघर्षों के बारे में बताया था। अर्जुन ने काम पर जोखिम भरे कदमों का संकेत दिया था, लेकिन कभी भी विशिष्ट बातें नहीं बताईं।

जब अर्जुन ने अचानक कंपनी छोड़ दी, तो राहुल हैरान और संदिग्ध हो गया। उसने अर्जुन के कार्यभार को अपने नियंत्रण में ले लिया और जल्द ही उसे पता चल गया कि अर्जुन की धोखाधड़ी गतिविधियों से कंपनी को वित्तीय नुकसान हुआ है। अर्जुन ने एक योजना बनाई थी जिसमें फर्जी विक्रय ऑर्डर, अग्रिम कमीशन भुगतान प्राप्त करना और विलंबित वितरण के लिये बाहरी कंपनी के साथ मिलीभगत करना शामिल था, जिससे गैर-मौजूद विक्रय के लिये कमीशन प्राप्त किया जा सके।

उनकी आपस की बातचीत पर विचार करते हुए, राहुल को बेचैनी महसूस हुई, उसे अनुभव हुआ कि अर्जुन की हताशा ने उसे धोखाधड़ी करने के लिये प्रेरित किया। उसने प्रश्न किया कि क्या वह स्थिति को रोक सकता था और उसे जिम्मेदारी का अहसास हुआ। अर्जुन के चले जाने और आंतरिक जाँच शुरू होने के बाद, राहुल को नैतिक दुविधा का सामना करना पड़ा कि जो वह जो जानता था उसे उजागर करे या नहीं।

राहुल अपनी व्यक्तिगत सत्यनिष्ठा बनाए रखना चाहता था और कंपनी को इस मुद्दे को समझने में सहायता करना चाहता था, लेकिन उसे भय था कि सब कुछ उजागर करने से उसकी स्थिति खतरे में पड़ सकती है और उसे नौकरी से निकाला जा सकता है। वह अर्जुन की स्थिति से समानुभूति रखता था, वह अपने मित्र को रक्षा करने और अपने नीतिशास्त्रीय मानकों को बनाए रखने के बीच उलझन में था। राहुल इस बात से जूझ रहा था कि क्या सच्चाई को उजागर करना उसकी नौकरी और मित्रता को खोने के लायक है, खासकर तब जब कंपनी का वित्तीय नुकसान भयावह नहीं था और उत्पाद जीवन-मरण का प्रश्न नहीं था।

- (a) पेशेवर संदर्भ में नीतिशास्त्रीय निर्णयन में समानुभूति का क्या प्रभाव होना चाहिये? क्या किसी सहकर्मी के व्यक्तिगत संघर्षों को समझना उसके अनैतिक कार्यों को उचित ठहरा सकता है या कम कर सकता है?
- (b) राहुल के निर्णय में सबसे महत्वपूर्ण नीतिशास्त्रीय मूल्य क्या हैं? (250 शब्द) 20
- (c) राहुल के निर्णय को कौन-से कारक प्रभावित करेंगे?

Rahul, an experienced sales representative at a large multinational IT company in India, had developed strong friendships within the company, especially with his colleague Arjun. Over recent months, Arjun had confided in Rahul about his severe financial struggles, including supporting his wife, children, and aging parents. Arjun had hinted at risky moves at work but never disclosed the specifics. When Arjun abruptly left the company, Rahul was shocked and suspicious. He took over Arjun's sales territories and soon discovered the financial damage caused by Arjun's fraudulent activities. Arjun had orchestrated a scheme involving fictitious sales orders, receiving upfront commission payments, and colluding with an external company to delay deliveries, thereby securing commissions for non-existent sales.

Reflecting on their conversations, Rahul felt uneasy, realizing Arjun's desperation likely drove him to commit fraud. He questioned whether he could have prevented the situation and felt a sense of responsibility. With Arjun gone and an internal investigation underway, Rahul faced a moral dilemma about whether to disclose what he knew. Rahul wanted to maintain his personal integrity and help the company understand the issue but feared that revealing all could jeopardize his position and lead to termination. He empathized with Arjun's plight, feeling conflicted between protecting his friend and upholding his own ethical standards. Rahul wrestled with whether exposing the truth was worth potentially losing his job and friendship, especially since the company's financial loss was not catastrophic and the product was not life-or-death.

- (a) How should empathy influence ethical decision making in a professional context? Can understanding a colleague's personal struggles justify or mitigate unethical actions?
- (b) What are the most significant ethical values at stake in Rahul's decision?
- (c) What factors should influence Rahul's decision?

(250 Words) 20

उम्मीदवार को इस  
हार्निश में नहीं  
लिखना चाहिए।  
(Candidate must  
not write on this  
margin)

उम्मीदवार को इस  
हार्निश में नहीं  
लिखना चाहिए।  
(Candidate must  
not write on this  
margin)

उम्मीदवार को इस  
 हाशिये में नहीं  
 लिखना चाहिए।  
 (Candidate must  
 not write on this  
 margin)

उम्मीदवार को इस  
 हाशिये में नहीं  
 लिखना चाहिए।  
 (Candidate must  
 not write on this  
 margin)



12.

मुंबई में रहने वाली 28 वर्षीय सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर निशा ने विगत पाँच वर्षों में इंस्टाग्राम और यूट्यूब पर काफी संख्या में फॉलोअर्स प्राप्त किये हैं। अपनी जीवनशैली संबंधी कंटेंट के लिये जानी जाने वाली निशा प्रायः फैशन, ब्यूटी और वेलनेस सेक्टर के ब्रांड्स के साथ सहभाग करती हैं। उनके फॉलोअर्स उनकी प्रामाणिकता और विश्वसनीय कंटेंट के लिये उनकी प्रशंसा करते हैं और उन्होंने अपने व्यक्तिगत मूल्यों के अनुरूप उत्पादों का प्रचार करने के लिये प्रतिष्ठा बनाई है।

निशा को अनन्या अरोड़ा ने एक नए आहार पूरक का प्रचार करने के लिये संपर्क किया है जो जल्दी वजन घटाने का वादा करता है। अभियान एक आकर्षक सौदा प्रदान करता है, जो निशा द्वारा अब तक किसी एकल साझेदारी से अर्जित की गई राशि से कहीं अधिक है। राहुल, उसका प्रबंधक, उसे प्रस्ताव स्वीकार करने के लिये प्रोत्साहित करता है, वित्तीय लाभ और अधिक फॉलोअर्स प्राप्त करने की क्षमता पर जोर देता है।

हालाँकि, निशा को कुछ संदेह है। उत्पाद पर शोध करने पर, उसे स्वास्थ्य विशेषज्ञों से मिली-जुली समीक्षाएँ और चिंताएँ मिलती हैं, जिनमें डॉ. अरविंद राव भी शामिल हैं, जो ऐसे सप्लीमेंट्स की सुरक्षा और प्रभावशीलता पर प्रश्न उठाते हैं। निशा जानती है कि उसके कई फॉलोअर्स स्वास्थ्य और तंदुरुस्ती संबंधी सलाह के लिये उससे परामर्श लेते हैं और संभावित रूप से असुरक्षित उत्पाद का प्रचार करने से उनकी विश्वसनीयता को नुकसान पहुँच सकता है और उसके फॉलोअर्स जोखिम में पड़ सकते हैं।

निशा को प्रिया ने सुझाव दिया कि उसे नैतिकता के बारे में बहुत अधिक चिंता नहीं करनी चाहिये। उसका तर्क है कि फॉलोअर्स अपनी पसंद के लिये स्वयं जिम्मेदार हैं और इस तरह की साझेदारी इंडस्ट्री में आम बात है। प्रिया ने स्वयं भी बिना किसी विरोध का सामना किये इसी तरह के उत्पादों का प्रचार किया है।

निशा अब दोराहे पर खड़ी है। एक तरफ, वह इस प्रस्ताव को स्वीकार कर सकती है, अपनी कमाई को काफी बढ़ा सकती है और अपने फॉलोअर्स की संख्या बढ़ा सकती है। दूसरी तरफ, किसी ऐसे उत्पाद का प्रचार करना जिस पर उसे पूरा विश्वास नहीं है, उसके मूल्यों से समझौता कर सकता है और संभवतः उसके फॉलोअर्स को खतरे में डाल सकता है।

उपरोक्त केस स्टडी के आधार पर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिये:

- क्या प्रभावशाली लोगों के लिये उन उत्पादों का प्रचार करना नीतिशास्त्रीय रूप से सही है, जिनका वे व्यक्तिगत रूप से उपयोग नहीं करेंगे या अपने प्रियजनों को उनकी प्रेरक शक्ति के कारण अनुशंसा नहीं करेंगे? यह "किसी को हानि न पहुँचाएँ" सिद्धांत के साथ कैसे संरेखित होता है?
- क्या प्रभावशाली व्यक्तियों को उनके द्वारा समर्थित उत्पादों से होने वाले संभावित नुकसान के लिये उत्तरदायी ठहराया जाना चाहिये?
- एक प्रभावशाली व्यक्ति को अपने वित्तीय हितों और अपने दर्शकों के प्रति नीतिशास्त्रीय दायित्वों के बीच संघर्ष का समाधान कैसे करना चाहिये?

(250 शब्द) 20

Nisha, a 28-year-old social media influencer based in Mumbai, has gained a significant following on Instagram and YouTube over the past five years. Known for her lifestyle content, she frequently collaborates with brands in the fashion, beauty, and wellness sectors. Her followers admire her for her authenticity and relatable content, and she has built a reputation for endorsing products that align with her personal values.

Nisha is approached by Ananya to promote a new dietary supplement that promises quick weight loss. The campaign offers a lucrative deal, far more than Nisha has ever earned from a single partnership. Rahul, her manager, encourages her to accept the offer, emphasizing the financial benefits and the potential to gain more followers.

However, Nisha has reservations. Upon researching the product, she finds mixed reviews and concerns from health experts, including Dr. Arvind Rao, who questions the safety and effectiveness of such supplements. Nisha is aware that many of her followers look up to her for health and wellness advice, and promoting a potentially unsafe product could harm her credibility and put her followers at risk.

Priya, her friend, suggests that Nisha should not worry too much about the ethics, arguing that followers are responsible for their own choices and that such partnerships are common in the industry. Priya herself has promoted similar products without facing any backlash. Nisha is now at a crossroads. On one hand, she could accept the deal, significantly boost her earnings, and expand her reach. On the other hand, promoting a product she does not fully trust could compromise her values and possibly endanger her followers.

- Based on the above case study, answer the following questions:
- Is it ethical for influencers to promote products they would not personally use or recommend to loved ones, given their persuasive power? How does this align with the "do no harm" principle?
  - Should influencers be held accountable for the potential harm caused by the products they endorse?
  - How should an influencer navigate the conflict between their financial interests and their ethical obligations to their audience?

(250 Words) 20

उम्मीदवार को  
हार्शिये में नहीं  
लिखना चाहिए  
(Candidate must  
not write on the  
margin)

उम्मीदवार को इस  
हार्शिये में नहीं  
लिखना चाहिए  
(Candidate must  
not write on this  
margin)



उम्मीदवार को  
हार्शिये में नहीं  
लिखना चाहिये  
(Candidate m  
not write on t  
margin)



Space for Rough Work  
(रफ़ कार्य के लिये स्थान)